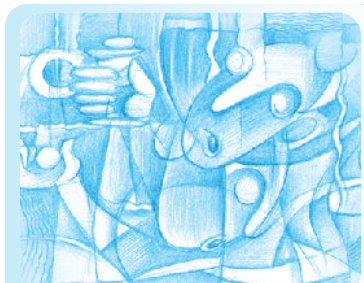




कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्क्रॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितने थपेड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम अथवा को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने अपमानों के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम अथवा को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने भ्रमों के बीच
कितने बदबोलेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्राल्मपराश के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्क्रॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंस्टेंटिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ

बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए,

'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इन्वर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ट्युमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फ्रीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लय में लाइए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्क्रॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्क्रॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश



पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी

एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी।

क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादाश्त के लिए एक

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी याददाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूँ? तुम्हें राजा बेटा न कहूँ, तो क्या अपना बाप कहूँ? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझे एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग आई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

ख़बर संक्षेप

दीक्षा द्विवेदी बनीं एलएलएम की यूनिवर्सिटी टॉपर

सोनगर। संत गहि़रा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलएलएम विधि संकाय की परीक्षा में दीक्षा द्विवेदी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए



विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय, परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। दीक्षा द्विवेदी ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर विश्वविद्यालय स्तर पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। परीजनों, शिक्षकों, सहपाठियों और शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दीक्षा द्विवेदी भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शरद चन्द्र द्विवेदी की पुत्री हैं। दीक्षा की सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। परीजनों ने उनकी मेहनत और लगन को इस सफलता का आधार बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। दीक्षा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया है।

दिल्ली मे महिला प्रकारों पर पुलिसिया बर्बरता लोकतंत्र और संविधान पर हमला

सोनगर। देश की राजधानी में एक न्यूज चैनल की दो महिला पत्रकारों के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई बर्बरता और अमानवीय व्यवहार पर



छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव अफरोज खान ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और देश के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला और संविधान की धजियां उड़ाने वाला क्रूर करार दिया। अफरोज खान ने कहा कि पुलिस का काम नागरिकों की सुरक्षा करना है, न कि निपराधों और पत्रकारों पर अत्याचार करना। एक कार्यक्रम का कवरज करते दिवस से लेकर अंतिम पत्रकार को पहले पकड़ कर थाने ले गई और फिर थाने के भीतर उन दोनों महिला पत्रकारों को बंधक बनाकर पीटना न सिर्फ पुलिस महकमे के लिए शर्मनाक है, बल्कि यह कानून के राज का खुला उल्लंघन है। उन्होंने मांग की कि इस घिनौने क्रूर्य में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

संस्कृत सप्ताह में हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक की भागीदारी



अम्बिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असोला में संस्कृत सप्ताह का आयोजन कर प्रथम दिवस से लेकर अंतिम दिवस तक विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रथम दिवस दीर्घ ज्योति मंत्र एवं सरस्वती चंदन के उपरांत संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने, बोलचाल की भाषा में सरल शब्दों का प्रयोग कर स्वयं का परिचय, प्रश्नोत्तरी, अभिनय एवं मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया गया। छात्र-छात्राओं ने सप्ताह भर नृत्य, नाटक, गीत, सूक्ति, श्लोक, वाद विवाद, निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, अभिनयुक्त कहानी आदि प्रस्तुति, संस्कृत शिक्षिका श्रीमती दीपलता देशमुख के मार्गदर्शन में किया। संस्कृत सप्ताह का मुख्य आकर्षण संस्कृत गीतों का प्रस्तुतीकरण एवं नृत्य रहा। प्राचार्य श्रीमती गौर ने संस्कृत सप्ताह में छात्रों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कार को बनाए रखने में संस्कृत भाषा का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा सुषमा यादव और ज्योति ने किया।

आदिवासी बच्चों को दिया गया कैरियर गाइडेंस



केदमा/उदयपुर। स्वामी विवेकानंद कैरियर काउंसिलिंग व युवा प्रतिभा सम्मान अभियान अंतर्गत सरगुजा के होनहार कार्यक्रम उज्जवल हसदेव-उन्नत सरगुजा समाज सेवा संस्था द्वारा ग्राम पंचायत केदमा के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उपसर्पंच मूलचंद अग्रवाल, जनपद सदस्य श्रीमती नागेश्वरी सिंह, संस्था के अध्यक्ष संतोष दास तथा प्राचार्य के तिग्ग के आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में 10वीं एवं 12वीं की प्रवीण्य सूची के 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, पेन व कैरियर गाइडेंस बुक भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के शांतनु दास ने छात्रों को कैरियर गाइडेंस की जानकारी दी। मूलचंद अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण आदिवासी अंचल के बच्चों को कैरियर गाइडेंस देने के साथ उन्हें सम्मानित करने की पहल अनूठी है, प्राचार्य के.तिग्गा ने कहा कि संस्था आगे भी बच्चों के बीच ऐसे आयोजन करती रहे। संतोष दास ने बच्चों को अपनी कविता युवा की परिभाषा सुनाई। इस दौरान बुजेश चतुर्वेदी, महेश्वर पैकार, दीनानाथ यादव, केसी साहू, ईश्वर सिंह, प्रदीप कुमार एक्का, वीके यादव, वेदप्रकाश गोयन तथा मिथिलेश मरावी, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रारंभ से ही प्लाइट को नहीं मिल रहे थे यात्री पांच महीने में अलाइंस एयर ने बंद किया अम्बिकापुर-कोलकाता प्लाइट का संचालन

हरिभूमि न्यूज ॥ अम्बिकापुर

क्षेत्रवासियों को महानगरों तक हवाई सफर की सुविधा के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। अलाइंस एयर ने अम्बिकापुर-बिलासपुर-कोलकाता की प्लाइट को अगस्त के अंतिम सप्ताह से बंदकर दिया है। बंद की गई प्लाइट के बदले अलाइंस एयर कब तक नए मार्ग का निर्धारण करेगी इसको लेकर अभी कुछ तय नहीं हो सका है।

सरगुजांचल के लोगों को हवाई सफर की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा प्रारंभ में बिलासपुर एवं रायपुर के प्लाइट की सुविधा प्रारंभ की गई थी। प्लाइटिंग एयर लाइंस इस मार्ग पर प्लाइट चला रही थी। प्लाइटिंग की मनमानी के कारण लोगों की नाराजगी बढ़ती गई तथा अंततः इसे अपनी उड़ान सेवाएं बंद करनी पड़ी। एयरपोर्ट प्रबंधन की लगातार कोशिशों के बाद अलाइंस एयर ने पिछले साल मार्च में हर सप्ताह दिल्ली एवं कोलकाता के लिए उड़ान सेवा प्रारंभ की। सरगुजा से देश की राजधानी दिल्ली एवं कोलकाता के लिए हवाई सफर की सुविधा प्रारंभ होने से क्षेत्रवासियों में भारी खुशी थी। एयर लाइंस द्वारा अभी भी हर सप्ताह अम्बिकापुर से बिलासपुर के रास्ते सोमवार एवं बुधवार को दिल्ली के लिए नियमित



नहीं मिल रहे थे यात्री बताया जा रहा है कि अम्बिकापुर-बिलासपुर-कोलकाता प्लाइट को यात्री नहीं मिल रहे थे। प्रारंभ में चार-पांच यात्री ही कोलकाता का सफर करते थे। लगातार कोशिशों के बावजूद कोलकाता का सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 10-12 यात्री तक ही सीमित रही। यात्रियों की बेहद कम संख्या के कारण भारी आर्थिक क्षति होने के कारण अंततः अलाइंस एयर को प्लाइट का संचालन बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। कम यात्री मिलने के कारण प्लाइट अम्बिकापुर घंटों विलम्ब से पहुंचती थी। इसके विपरीत दिल्ली की प्लाइट में नियमित अम्बिकापुर से 30-35 यात्री सफर कर रहे हैं तथा प्लाइट भी निर्धारित समय से चल रही है। कोलकाता प्लाइट में यात्रियों की संख्या कम होने के पीछे पर्यटकों की संख्या कम होने को माना जा रहा है। सरगुजांचल में एससीईएल की कई खदानें होने के साथ ही बांग्ला भाषी लोगों की संख्या भी काफी अधिक है लेकिन इसका फायदा अम्बिकापुर-बिलासपुर-कोलकाता प्लाइट को नहीं मिल सका।

प्लाइट चलाई जा रही है। सोमवार को दिल्ली की प्लाइट बिलासपुर में यात्रियों को उतारने के बाद अम्बिकापुर पहुंचती है जबकि बुधवार को सीधे दिल्ली से अम्बिकापुर पहुंचती है तथा अम्बिकापुर से बिलासपुर के यात्रियों को लेकर दिल्ली के लिए रवाना होती है। इसी तरह कोलकाता की प्लाइट गुरुवार को बिलासपुर से

वाराणसी के लिए प्लाइट चलाने की मांग

हवाई सफर के लिए अम्बिकापुर-बनारस मार्ग को काफी उपयोगी माना जा रहा है। प्रमुख धार्मिक स्थल होने के कारण बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी हर दिन बनारस का सफर करते हैं। बनारस में उच्च स्तरीय चिकित्सा एवं अध्ययन की सुविधा होने के कारण बड़ी संख्या से अम्बिकापुर-रेनकुट रेल लाइन बनारस आते-जाते हैं। बड़ी संख्या में यूपी एवं बिहार के लोग सरगुजा संगम में पाँड़ियों से निवासरत हैं तथा अपने गृहगाम जाके के लिए बनारस की यात्रा करते हैं। बनारस तक सफर करने के लिए सड़क मार्ग के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सरगुजा सर्वदलीय रेल संघर्ष समिति लम्बे समय से अम्बिकापुर-रेनकुट रेल लाइन विस्तार की मांग कर रही है। ऐसे में अम्बिकापुर से वाराणसी के लिए सीधी प्लाइट चलाई जाए तो क्षेत्रवासियों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। बनारस से अन्य महानगरों के लिए हवाई यात्रा की सुविधा होने के कारण लोग आसानी से अपने गंतव्य की यात्रा कर सकते तथा एयर लाइंस को भी अच्छी आय होगी।

चल रही है पहल

पर्याप्त यात्री उपलब्ध नहीं होने के कारण अलाइंस एयर ने अम्बिकापुर-कोलकाता प्लाइट का संचालन बंद कर दिया है। नए स्त पर प्लाइट चलाने के संभव में पहल की जा रही है।

-सुशील श्रीवास्तव डायरेक्टर, माँ महामाया एयरपोर्ट प्लाइट का संचालन बंदकर दिया है।

स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज पर बैठक

हरिभूमि न्यूज, बैकुण्ठपुर।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण की उपलब्धता पर एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेन्द्र श्रीवास ने बिहान प्रकरणों के बैंक लिंकेज में अपेक्षित प्रगति लाने के उद्देश्य से सभी बैंकर्स से चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

इस दौरान बिहान की जिला और जनपद टीम ,क्लस्टर स्तर से पीआरपी, अग्रणी बैंक प्रबंधक के साथ जिले में स्थापित सभी शासकीय और निजी बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य विषय जिले में संचालित महिला स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज एवं बैंक ऋण प्रकरणों की बैंकवार एवं विकासखंडवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में श्रीवास द्वारा बिहान योजना की विकासखंड स्तरीय टीम को महिला स्व-



सहायता समूहों के बैंक लिंकेज में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बिहान टीम की बैंकर्स के साथ बैठक के दौरान सीईओ ने ब्लाॉक वार निर्धारित लक्ष्यों और उसके साथ ही अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की।बिहान टीम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य अनुसार प्रगति लाने के लिए समन्वय से कार्य करें और पात्रता अनुसार ही समूहों के प्रकरण बैंकर्स को उपलब्ध कराएं, ताकि न्यूनतम समय में अधिकतम लक्ष्य पूरा हो सके। बिहान के अंतर्गत महिलाओं को आर्थिक रूप की स्वावलंबी स्वरोजगार बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने का कार्य

शिक्षक दिवस पर छात्राओं ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां नृत्य, गीत, खेल और नाटक के जरिए छात्राओं ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज, बैकुण्ठपुर

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप ने की। प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक का निर्माण करना भी है। वरिष्ठ प्राध्यापक भारत सिंह ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। हिंदी विभागाध्यक्ष कनकलता पैकारा ने भाषा एवं साहित्य को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व



निर्माण में महत्वपूर्ण बताया। वनस्पति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक वरुण कुशवाहा ने प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। विनय कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में शिक्षक की भूमिका बताई। अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष विक्की राम एवं विजय कुमार ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण साधन बताया। हिंदी विभाग के सहायक

पृष्ठ 1 का शेष

30 को क्षय...

दीप समितियों की आय में हुई बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जीवन दीप समिति में कार्य करने वाले लोगों की अथक मेहनत एवं परिश्रम का परिणाम है। स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जीवन दीप समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में बगलोर राम नरेश राय, मंडल अध्यक्ष खड़गाम परमाणु सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष खड़गाम राम लाल साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष एससीबी राम प्रताप गुप्ता, युवा नेता अरुणोदय पांडे, युवा नेता धनंजय पांडे, वरिष्ठ नेता मुकेश जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि राजू नायक, राक्षती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रतियोगिता सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजेश लिंगराज सिंदर, विजयेंद्र सारथी, जिला अस्पताल के अध्यक्ष राजेंद्र राय, मनेंद्रगढ़ अस्पताल अध्यक्ष विभाग के अधिकारी सचचारी उपस्थित रहे। एक ही स्थान पर मिली विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं- वृहद स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को एक ही स्थान पर चिकित्सा, स्त्री रोग, शिशु रोग, हृदय रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग, त्वचा रोग, कान-नाक-गला, दंत रोग तथा भौतिक चिकित्सा सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर मनेंद्रगढ़ में वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक लगातार स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य जांच अभियान चलेगा। इस दौरान व्यापक स्तर पर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

4.92 लाख के...

सिम सहित जब्त किया गया। सतेन्द्र सोनी के हिस्से की बची राशि में से 4,380 रुपए भी बरामद किए गए। सतेन्द्र सोनी के कब्जे से पुलिस ने दो सोने की अंगूठियां, दो कान की बालियां और एक लॉकेट सहित माला उठा आ सोना बरामद किया। पुलिस के अनुसार बरामद सोने का कुल वजन करीब 29.91 ग्राम तथा कीमत लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए है। इसके अलावा करीब 177 ग्राम चांदी, जिसकी कीमत लगभग 42,300 रुपए बताई गई है, बरामद की गई। इस तरह सोने-चांदी की कुल बरामदगी की कीमत करीब 4 लाख 92 हजार 300 रुपए है। पुलिस ने मामले में हर्षदेव शर्मा उम्र 18 वर्ष 9 माह, अक्षय बसोर उम्र 27 वर्ष, सतेन्द्र सोनी उम्र 42 वर्ष और एक अपराधी बालक को गिरफ्तार/अमिरक्षा में लिया है। सभी को 4 सितंबर को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। चोरी की घटना के खुलासे और आरोपियों को गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल सिंह गौतम, उप निरीक्षक अगिल सोनवानी, प्रधान आरक्षक शशि भूषण, राकेश भगत, आरक्षक अमित त्रिपाठी, बुजेश सिंह, प्रमोदगौरा तथा साइबर सेल के आरक्षक सजल जायसवाल, अमरेशानंद, अमल कुंजूर, सैनिक राजेश टांडे और विकास सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्रामीण अंचल के...

हिरकसो, जेवलिग शो एवं 4100 मीटर रिले की स्पर्धाएं होंगी। वहीं तैरंदाजी के इंडियन राउंड में 30 मीटर एवं 50 मीटर की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। कुश्ती एवं हॉकी में जिला स्तर पर दल की भागीदारी निर्धारित है, जबकि रस्साकशी प्रतियोगिता केवल महिला सीनियर वर्ग के लिए आयोजित की जाएगी। जूजियू एवं सीनियर वर्ग में होंगे मुकाबले- सरगुजा ओलंपिक में खिलाड़ियों के लिए दो आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं। जूजियू वर्ग में 14 से 17 वर्ष तक के खिलाड़ी तथा सीनियर वर्ग में बिना आयु सीमा के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। दोनों वर्गों में बालक-बालिका तथा महिला-पुरुष खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कुश्ती एवं कराते की प्रतियोगिताएं निर्धारित वजन वर्गों के अनुसार आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे की प्रतियोगिताओं में सहभागिता का अवसर प्रदान किया जाएगा। सरगुजा ओलंपिक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्रों में फिटो खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें प्रतिस्पर्धीत्मक मंच उपलब्ध करवाना है। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपनी प्रतिभा को निखारकर उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले और संभाग का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। 10 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीयन सरगुजा ओलंपिक 2026-27 में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 10 सितंबर 2026 तक विभाग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं।

जर्जर मकान को...

होने के बाद आसपास रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जर्जर मकानों को समय रहते विनष्ट कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने से बारिश के मौसम में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। नगरपालिका प्रशासन की इस कार्रवाई को सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव की मौजूदगी में हुई कार्रवाई के दौरान नगरपालिका अमले ने स्थिति पर नजर बनाए रखी और पुलिस बल ने मौके पर व्यवस्था संभाली।

शिक्षक दिवस पर सजा संस्कृति और सम्मान का रंग

बैकुण्ठपुर। गुरु केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन की राह पर आगे बढ़ने का संस्कार, अनुशासन और आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। इसी मानना के साथ न्यू लाइफ हेल्थ एंड एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ बिजिनेस में शनिवार, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के बीच मनाया गया। विद्यार्थियों ने गुरुजनों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महान शिक्षाविद तथा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने शिक्षकों का आत्मीय स्वागत किया। समारोह के दौरान परिसर में संगीत की स्वर-लहरियां गुंछीं और नृत्य की थिरकने ने वातावरण को जीवंत कर दिया। विभिन्न सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। स्वागत नृत्य से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में रिकट, पंजाबी नृत्य, बॉलीवुड डांस, दक्षिण भारतीय नृत्य और लेजी डांस जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में कला के



साथ गुरुजनों के प्रति सम्मान और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता की भावना भी देखने को मिली। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता केवल कक्षा एवं पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और मार्गदर्शन की ऐसी परंपरा है, जो विद्यार्थी के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समारोह के अंतिम चरण में केक काटिंग का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को स्नेह एवं सम्मान के प्रतीक स्वरूप उपहार भेंट किए। इस दौरान कई भावुक और आत्मीय क्षण भी देखने को मिले।

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेकी सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COMBATOR

भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सलसंग भवन के पास, हिंद स्पোর্ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.)
07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी
सेवाएं अब
गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

सरस्वती विकास विद्यालय में शिक्षकों का सम्मान



मनेन्द्रगढ़। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर आज सरस्वती विकास विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष पूनम चंद अग्रवाल, संरक्षक कमल केजरीवाल, उपाध्यक्ष सुन्दर लाल दुग्गड़, सदस्य सार्थक अग्रवाल एवं राजेंद्र पंसारी, मुख्य अतिथि रामचरित द्विवेदी, प्राचार्य वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रधान पञ्चात हारालाल केवट एवं प्रधान पाठिका श्रीमती सुष्मा श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों को टीका-चंदन लगाकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। प्रिया सेन, माही यादव एवं श्यामा द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने कार्यक्रम में उत्साह एवं भावपूर्ण वातावरण का संचार किया। कक्षा 12वीं की छात्रा रितिका मालिक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में शिक्षक-श्रीमती आंश्वरी शर्मा, श्रीमती सुशीला राधाकृष्णवाहा, श्रीमती अंजलि वर्मा, प्रधान पाठिका श्रीमती सुष्मा श्रीवास्तव, प्रधान पाठक हारालाल केवट एवं वरिष्ठ शिक्षक पी.एन. तिवारी ने शिक्षक दिवस के महत्व तथा शिक्षक की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि रामचरित द्विवेदी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए सभी को उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। समर्पित के सम्माननीय सदस्य सार्थक अग्रवाल एवं राजेंद्र पंसारी ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलते समय के साथ नई शिक्षण तकनीकों एवं आधुनिक पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजेश को राज्यपाल पुरस्कार



राजेश प्रताप सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अमूर्तपूर्व कार्यों के लिए प्रतिष्ठित राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं नगरवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राजेश प्रताप सिंह ने प्रधान पाठक के रूप में विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षा के प्रति बच्चों में रुचि बढ़ाने के लिए निरंतर समर्पण के साथ कार्य किया। उनके प्रयासों में नवाचार, अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता की झलक देखने को मिलती है। शुभचिंतकों ने कहा कि राज्यपाल पुरस्कार उनके परिश्रम, निष्ठा और शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान है। वे वास्तव में इस सम्मान के हकदार हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि मनेन्द्रगढ़ के पूरे शिक्षा जगत के लिए गौरव का विषय है। बधाई देते हुए कहा गया कि आज इस पुरस्कार की अहमियत और भी दुगुनी हो गई है, क्योंकि यह सम्मान ऐसे शिक्षक को मिला है।

हरिभूमि न्यूज, बैकुण्ठपुर

जिला मुख्यालय के तलवापारा स्थित आईसेक्ट कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संगीत, भाषण, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। वहीं शिक्षकों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था प्रमुख नरेश सोनी, श्रीमती वसुधा सोनी, कमल द्विवेदी, प्रवीण तिवारी, हरिओम साहू, प्रदीप साहू, रुपाली सोनी, मनीषा सोनी, रागनी सोनी, अमीषा सोनी आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शिक्षकों ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के महत्व से अवगत कराया तथा उन्हें आशीर्वाद दिया। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को उपहार भेंट कर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। संस्था प्रमुख नरेश सोनी ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर किंग मैटन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज व्यक्तित्व को संवारने का स्थान है, इसलिए विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ना चाहिए और अपने व्यक्तित्व को निखारना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के विभिन्न अनुभव एवं चुनौतियां भी विद्यार्थियों के साथ साझा कीं।



हिन्दू विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस



चरचा कॉलरी। शिक्षक दिवस के अवसर पर हिन्दू विद्यालय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन बड़े ही धूमधाम और गरिमामय तरीके से किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक-शिष्य संबंधों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती रामकृष्णी पाल रहें। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के डायरेक्टर निसार खान एवं अंकित अग्रवाल व प्राचार्य शंभिक्षण राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर अतिथियों एवं विद्यालय परिवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने मां सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा अपनी ओर से पेन भेंट करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षक उनके जीवन को सही दिशा देने के साथ ही शिक्षा, संस्कार और अनुशासन का मार्ग दिखाते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के डायरेक्टर निसार खान ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करते हैं। विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। मुख्य अतिथि पार्षद श्रीमती रामकृष्णी पाल ने भी विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज, बैकुण्ठपुर

न्यू लाईफ हेल्थ एंड एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित न्यू लाईफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। समारोह की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण एवं राधा का रूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। छात्र-छात्राओं ने भजन, नृत्य, श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। जन्माष्टमी के अवसर पर संस्था में मटकी फोड़ कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

इसमें शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और कार्यक्रम का आनंद उठाया। आयोजन के दौरान परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं उपदेशों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें कर्म, सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में भगवान श्रीकृष्ण की आरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। आयोजन के दौरान संस्था का वातावरण भक्ति, उल्लास और आपसी सौहार्द से सरोबोर रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच सहयोग, सहभागिता और एकता की भावना को और मजबूत किया।



नन्हें कान्हा और राधा के रंग में रंगा



मनेन्द्रगढ़। अलास्का पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर गोकुल धाम के रंग में रंगा नजर आया और चारों ओर बच्चों का उत्साह व उल्लास छाया रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्राइमरी विंग के नन्हें-मुन्ने बच्चे रहे। सभी नन्हें विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण, राधा रावनी, यशोदा मैया, वासुदेव और बलराम जैसे जन्माष्टमी के विभिन्न पात्रोंपरिकर व पौराणिक किरदारों के सुंदर परिधानों में सज-धज कर विद्यालय पहुंचे। मोरपंख, मुकुट, बांसुरी और पारंपरिक वेशभूषा में सजे इन नन्हें कान्हाओं ने उपस्थित सभी शिक्षकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नन्हें विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जीवंत झोंकियों से हुई। बच्चों ने एक विशेष नाट्य मंचन (स्किट) के जरिए बाल-कृष्ण की नटखट लीलाओं को बड़ी खूबसूरती से दर्शाया। नन्हें कलकारों ने अभिनय के माध्यम से दिखाया कि कान्हा को माखन क्यों और

कितना पसंद था, वे किस प्रकार मैया यशोदा को तंग करते थे और अपने सखाओं के साथ मिलकर गोपियों की मटकियों से माखन चुराया करते थे। बच्चों की मासूमियत भरी प्रस्तुति देखकर सभी शिक्षक भावविभोर हो उठे। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए एक खास रैप वर्क का आयोजन किया गया। हाथों में सुंदर मटकी लिए राधा बनी बहियों ने जब रैप पर अपनी मासूम अदाओं से कदमताल की, तो कान्हा बने बच्चों ने भी उनका बखूबी साथ दिया। एक मजेदार गतिविधि में बच्चों ने रुई से बनी प्रतीकात्मक 'माखन की गैटें' खाली मटकियों में भरकर अपनी गति और चपलता दिखाई। बच्चों के बीच एक उत्साहपूर्ण रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) का भी मुकाबला हुआ। एक छोर पर राधा की टोली और दूसरे छोर पर नन्हें कृष्णों की टीम थी। काफी रोमांचक मुकाबले के बाद अंततः कृष्ण टीम ने यह बाजी अपने नाम की। उत्सव का सबसे रोमांचक पल नन्हें-मुन्नों द्वारा आयोजित दही-हांडी रहा।

कैलाश धाम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

जनकपुर। भरतपुर क्षेत्र के कैलाश धाम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान के जन्म की खुशी मनाई। देर रात तक मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजता रहा। कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक हो गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर उत्सव की खुशियां मनाई। आयोजन में भरतपुर के उप सरपंच मनीष पाठक, मंदिर के पंडित-पूजारी राजेन्द्र नारायण पांडे, प्रतीक पांडे, रामचंद्र नामदेव, रविकांत पाठक, दुर्गा सिंह बारगाही, पुष्पोत्तम पतवार उर्फ बहादुर उज्जैन, आशीष यादव, ज्येश केसट, आकाश रजक, ज्येश मौर्य उर्फ बड़कु शिव, प्रिंस सिंह, प्रांशु सिंह, पंकज वर्मा, रोलेन्द्र सिंह, संतोष डोंगर, राजकुमार केवट, कैलाश सिंह, देवदत्त मौर्य, रामप्रसाद चौधरी, भजन प्रजापति सहित दुर्गा समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कैलाश धाम मंदिर में आयोजित



कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके जीवनों से जुड़े प्रश्नों का रमण किया। भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालु भक्तिरस में डूबे नजर आए। आयोजन समिति और ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर विशेष तैयारी की गई थी, जिसके चलते कार्यक्रम शक्तिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव क्षेत्र में आपसी भाईचारे, प्रेम और धार्मिक एकता का संदेश देता है।

पीजी कॉलेज में स्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस धूमधाम से मना

बैकुण्ठपुर। शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर के इंडोर स्टेडियम में महाविद्यालय का 45वां स्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस समारोह गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. एम.सी. हिमधर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम अधिकारी द्वय जयश्री प्रजापति एवं अनुरंजन कुजूर के सह-संयोजन में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य डाक्टर कोरिया सुब्रह्म लाल सोनवानी तथा विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानपाठक अमृत राम बैरागी एवं सेवानिवृत्त व्याख्याता रामफल राजवाड़े रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एम.सी. हिमधर ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर मालापंण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों के स्वागत के बाद अराधना ने स्वागत गीत एवं गुरु वंदना की प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. एम.सी. हिमधर ने स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय



की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 5 सितंबर 1982 को महाविद्यालय की शुरुआत कच्चे मिट्टी के छप्पर वाले भवन में सीमित संसाधनों के साथ हुई थी। आज महाविद्यालय अधीसंरचना विकास के साथ कला, वाणिज्य एवं विज्ञान विषयों में स्नातक तथा 10 विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कराने वाला जिले का अग्रणी महाविद्यालय बन चुका है।

अमाविष्य ने शिक्षकों को किया सम्मानित



सोनहटा। शिक्षक दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला कोरिया, इकाई सोनहटा के कार्यक्रमोंओं द्वारा नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रमोंओं ने शिक्षकों को श्रीफल, पेन एवं डायरी भेंट कर उनके प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमोंओं ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने के साथ ही समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं संस्कारों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस अवसर पर अमाविष्य कार्यक्रमोंओं ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके मार्गदर्शन और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रमोंओं एवं शिक्षकों के बीच आत्मीय संवाद भी हुआ।

शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन



चरचा कॉलरी। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को पीएम श्री स्कूल केंद्र व चरचा बालक के अंतर्गत विद्यालय में शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्रधान पाठकों का सम्मान किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। समारोह में श्रीमती नरसीन टोप्पे, श्रीमती सुमन राजवाड़े प्रधान पाठक, अमित राय कुंडे प्रधान पाठक, धूर्जन धुव प्रधान पाठक, भूषण राजवाड़े प्रधान पाठक सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित शिक्षकों को पुष्पगुच्छ, पेन एवं स्मृति विह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डॉ. राधाकृष्णन को किया नमन



बैकुण्ठपुर। जिला मुख्यालय स्थित राजीव भवन कार्यक्रम कार्यालय में शुक्रवार को भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने डॉ. राधाकृष्णन के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनेता थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सदैव याद किया जाएगा। शिक्षक समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार और उच्च नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें बेहतर नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कांग्रेसजनों ने कहा कि शिक्षक हमारे जीवन को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित कर उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं।

कई दिनों की लगातार बारिश के बाद दिखी हल्की धूप



बैकुण्ठपुर। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद 5 सितंबर को मौसम ने कस्बेट ली और दिग्भर हल्की धूप खिली। आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच निकली धूप से लोगों ने राहत की सांस ली। लगातार बारिश के कारण परेशान आमजन को कुछ समय के लिए मौसम साफ होने से काफी राहत मिली। बारिश के चलते कई स्थानों पर सड़कों और गलियों में जलभराव एवं कीचड़ की स्थिति बनी हुई थी। धूप निकलने के बाद सड़कों पर जमा पानी कम होने लगा और बाजारों में भी धीरे-धीरे रौनक लौटती दिखाई दी। लंबे समय से घरों में रहने को मजबूर बच्चों ने भी मौसम का आनंद लेते हुए बाहर निकलकर खेलकूद किया। किसानों के लिए भी धूप राहत लेकर आई। लगातार बारिश

से खेतों में पानी भरने के कारण किसानों की चिंता बढ़ रही थी। हल्की धूप निकलने से खेतों में जमा अतिरिक्त पानी की निकासी में मदद मिलने और फसलों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि किसान अभी भी मौसम की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से लगातार बारिश के कारण दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहा था। कपड़े सुखाने से लेकर बाजार आने-जाने तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। 5 सितंबर को निकली हल्की धूप से लोगों को काफी राहत मिली। लोगों ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में मौसम सामान्य रहेगा और बीच-बीच में धूप निकलती रहेगी।

हरिभूमि न 1 **एजेंसी देना है**

आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि

की जनकपुर, कोटाडोल, केल्हारी में एजेंसी देना है।

इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन (डिपॉजिट राशि) के साथ संपर्क करें।

हरिभूमि कार्यालय

कचहरी पास, बैकुण्ठपुर

मो. 7999269642, 7000789166

online Booking:- www.tripurayatra.com

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि:- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एस्सी 27,500/-, 2 एस्सी 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411

सम्मान का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल

आशीर्वाद

लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय

ZEPTO जेप्टो प्रोसेसिंग (FDA) तकनीक द्वारा नैतिकता का एडवांस फेको प्रोसेसिंग व तेज प्रत्यक्षण

अब तक 150 लाख से अधिक सफल नेत्र अपरेेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एन.टी. महरिया
MBBS, MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन

डॉ. हरवर्धन महरिया
MBBS, MS, FVR
LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ

● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● आधुनिक व रेटिना के नवीनतम उपकरण का उपयोग इतान लेजर द्वारा

आई जेन ऑप्शनल टेस्ट, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन:- 07752-402070, 228277,
मो:- 9826190123, 9669979123

देखरेख के अभाव में जर्जर हो रहा ऐतिहासिक कुआं

विकास की दौड़ में रियासतकालीन कुएं के अस्तित्व पर संकट

हरिभूमि न्यूज, बैकुण्ठपुर

विकास की तेज रफ्तार के साथ शहर की पुरानी धरोहरों के अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। कभी लोगों की प्यास बुझाने वाले ऐतिहासिक कुएं अब केवल अपने गौरवशाली इतिहास की याद दिलाते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही हाल जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में कोरिया पैलेस के पीछे स्थित रियासतकालीन ऐतिहासिक कुएं का है। देखरेख के अभाव में यह कुआं जर्जर होता जा रहा है। कुएं का सुरक्षा घेरा भी क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे यहां हादसे की आशंका बनी हुई है। वर्तमान में कुएं में ऊपर तक पानी भरा हुआ है। गर्मी के दिनों में भी इसके पानी के नहीं सूखने की बात स्थानीय लोग बताते हैं। ऐसे में यदु कुएं का संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था



सुनिश्चित की जाती है तो ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के साथ ही इसका उपयोग पेयजल के लिए भी किया जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते संरक्षण की पहल नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में इस प्राचीन धरोहर का अस्तित्व मिट सकता है। विदित हो

कि नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर द्वारा शहर के मध्य स्थित शासकीय आदर्श रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में जर्जर हो रहे प्राचीन कुएं का लाखों रुपये खर्च कर नवीनीकरण कराया गया है। नवीनीकरण के बाद यह कुआं अब नए स्वरूप में नजर आने

लगा है। यह कुआं भी वर्षों पुराना है और एक समय आसपास के मोहल्ले के लोगों की प्यास इसी कुएं के पानी से बुझती थी। इसी तर्ज पर कोरिया पैलेस के पीछे स्थित रियासतकालीन ऐतिहासिक कुएं को भी संरक्षित किए जाने की जरूरत है।